हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, शनिवार 18 जुलाई 2026
login : www.haribhoomi.com

विंध्य क्षेत्र को देश के सबसे विकसित क्षेत्र के रूप में पहचान दिलाना ही हमारा लक्ष्य: उप मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री ने देश के 75 और मध्यप्रदेश के 13 रेलवे स्टेशनों का किया वर्चुअल लोकार्पण

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत संकल्प को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा देश: सांसद
कार्यक्रम का लाइव प्रसारण रेलवे स्टेशन ब्यौहारी में आमजन द्वारा देखा एवं सुना गया

शहडोल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आम जन के लिए सुविधाएं बढ़ाने आवागमन के साधन विकसित करने, रोजगार के साधन उपलब्ध कराने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं उद्योगीकरण के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश का तेजी से कायाकल्प हो रहा है विकास के साथ स्वच्छता का भी समन्वय आवश्यक है। उक्त आशय के विचार प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने अमृत भारत योजना स्टेशन अंतर्गत ब्यौहारी रेलवे स्टेशन का 22 करोड़ रूपए की लागत से पुर्नविकसित रेलवे स्टेशन के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किए। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत देश के 75 रेलवे स्टेशनों तथा मध्यप्रदेश के 13 रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण किया। इस अवसर पर रेलवे स्टेशन ब्यौहारी में वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा एवं सुना गया। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विंध्य क्षेत्र को देश के सबसे विकसित क्षेत्र के रूप में पहचान दिलाना ही हमारा लक्ष्य है। उन्होनें कहा कि विंध्य क्षेत्र में अमरकंटक, चित्रकूट, मैहर जैसे धार्मिक नगर, बांधवगढ़ नेशनल पार्क, संजय टाइगर नेशलन पार्क, मुकुन्दपुर व्हाईट टाईगर सफारी जैसे वन्य जीव पर्यटन स्थल विंध्य क्षेत्र में हैं। आपने कहा कि रेल मार्ग हवाई मार्ग तथा सडक़ों के विकास से उद्योग, पर्यटन शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास को गति मिलती है। भारत देश वसुधैव कुटुम्बकम को मंत्र मानते हुए पूरी दुनिया को अपना परिवार मानता है। इसी कारण से दुनिया में विश्व गुरू बनने की क्षमता शिर्फ आर शिर्फ भारत देश मे है। श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा में हवाई यात्रा प्रारंभ होने से विकास को गति मिली है। अगामी 28 जुलाई को सप्ताह में 03 दिन रीवा के कलकत्ता एवं 04 दिन रीवा से भोपाल के लिए हवाई यात्रा शुरू होगी। कटनी से सिंगरौली तक रेल लाईन का दोहरी करण किया गया है। अब सिंगरौली से जोबा रेल लाईन विकसित होने से यह मार्ग कलकत्ता और मुम्बई जैसे महानगरों से जुड़ जाएगा। उन्होनें डीआरएम पश्चिम रेलवे को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पीड और स्किल का मंत्र दिया है। डबल इंजन की सरकार द्वारा लगातार विकास के कार्यों को गति दी जा रही है। आवश्यक संसाधनों के विकास के लिए सरकार के पास पैसों की कमी नहीं है। आपने नागरिकों से रेलवे स्टेशन की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। विधायक श्री शरद जुगलाल कोल ने अमृत भारत योजना के तहत ब्यौहारी जैसे छोटे स्थान में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त ब्योहारी रेलवे स्टेशन की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, रेल मंत्री श्री अश्वनी वैशव, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद ज्ञापित किया। डीआरएम पश्चिम रेल मण्डल द्वारा पुर्नविकसित रेलवे स्टेशन में किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत ब्यौहारी रेलवे स्टेशन का व्यापक आधुनिकीकरण किया गया है। स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक स्टेशन भवन, विस्तृत सर्कुलेटिंग एरिया, नया प्रवेश द्वार, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म शेल्टर, दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं, सुव्यवस्थित पार्किंग, आधुनिक यात्री सूचना प्रणाली, ऊर्जा दक्ष एलईडी प्रकाश व्यवस्था तथा स्थानीय कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले विकास कार्य किए गए हैं। इन सुविधाओं के विकसित होने से यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल, जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा, एसडीएम ब्यौहारी सुश्री काजोल सिंह, नगर परिसद अध्यक्ष राजन गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षी सिंह सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, रेलवे विभाग के अधिकारी, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने छात्राओ को वितरित की साइकिले

जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने जिले के प्रवास के दौरान शासकीय संदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छतवई में अध्यनरत छात्राओ को विद्यालय आने जाने के लिए साइकिल का वितरण किया। इस अवसर पर सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, शरद कोल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहें।

खबर संक्षेप

दु:खद: कोल ट्रांसपोर्टर बांके बिहारी सिंह 'मामा' का आकस्मिक निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

बुढार। कोयलांचल क्षेत्र के जाने-माने कोल ट्रांसपोर्टर बांके बिहारी सिंह (जिन्हें क्षेत्र में लोग आदर से 'मामा' कहकर पुकारते थे) का उत्तर प्रदेश में आकस्मिक निधन हो गया है। उनके निधन की खबर मिलते ही स्थानीय व्यावसायिक जगत और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई है।पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, बांके बिहारी सिंह विगत कई दिनों से अपने गृह ग्राम (बिहार) गए हुए थे। इसी दौरान उत्तर प्रदेश प्रवास के समय उनका अचानक निधन हो गया।कोल व्यवसायियों और मित्रों ने दी श्रद्धांजलिउनके आकस्मिक निधन पर बुढार नगर के कोल व्यवसायियों, गणमान्य नागरिकों और इष्ट मित्रों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। सभी ने परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।बांके बिहारी सिंह जी का जाना हमारे व्यावसायिक जगत और व्यक्तिगत जीवन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका मिलनसार स्वभाव हमेशा याद रहेगा।शोक व्यक्त करने वाले प्रमुख जन:घनश्याम सिंह,अमरेंद्र सिंह,आशीष नामदेव,नानक राम रोहरा,प्रकाश गुप्ता,(एवं समस्त कोल व्यवसायी व मित्रों ने शोक व्यक्त किया है।

विश्वविद्यालय में 15 दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का उत्साहपूर्ण आयोजन

शहडोल।

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय दीक्षारंभ के अंतर्गत विभिन्न विभागों में लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए सामूहिक दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, सहशैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास संबंधी गतिविधियों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने दीक्षारंभ कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल औपचारिक परिचय का कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय जीवन की नई यात्रा का सशक्त प्रारंभ है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, नैतिक मूल्यों, सतत अध्ययन तथा नवाचार की भावना के साथ शिक्षा ग्रहण करने का आह्वान किया।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद पाण्डेय ने विद्यार्थियों को अध्ययन की आदत विकसित करने, पुस्तकालय के अधिकतम उपयोग तथा समय के सदुपयोग का महत्व बताते हुए कहा कि निरंतर अध्ययन ही सफलता की कुंजी है। डॉ. गणेश ने राष्ट्रीय कैडेट कोर की विभिन्न योजनाओं, प्रशिक्षण, अनुशासन तथा करियर की संभावनाओं की जानकारी दी। डॉ. मनीष ताराम ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं डिजिटल सेवाओं के समुचित उपयोग की विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को ऑनलाइन सुविधाओं से अवगत कराया।

डॉ. योगिता ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, अकादमिक संरचना, क्रेडिट प्रणाली तथा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शैक्षणिक अवसरों की विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण शर्मा, डॉ. रचना दुबे, डॉ. मनीषा शुक्ला, डॉ. हेमंत पाठक, डॉ. शरद बर्वे, डॉ. बालेंद्र गर्ग, डॉ. दिलीप तिवारी सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, शैक्षणिक वातावरण, छात्र कल्याण योजनाओं तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप उपलब्ध अवसरों से परिचित कराना रहा, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ अपने उच्च शिक्षा जीवन का सफल प्रारंभ कर सकें।

3-14 जुलाई की गुप्त मैराथन बैठक के बाद संगठन का सर्वसम्मति से ऐलान

शहडोल मेडिकल कॉलेज में मेडिकल एंड हेल्थ नर्सिंग एसोसिएशन का शंखनाद

शहडोल।

बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय (शहडोल) में लंबे समय से अपनी मांगों और अधिकारों को लेकर सुलग रही नर्सिंग ऑफिसर्स की आवाज को आखिरकार एक मजबूत मंच मिल गया है। कॉलेज प्रबंधन की कथित तानाशाही, सेवा संबंधी विसंगतियों और नर्सिंग संवर्ग के शोषण के खिलाफ अब आर-पार की जंग का ऐलान हो चुका है। शहडोल मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग ऑफिसर्स ने एकजुट होकर मेडिकल एंड हेल्थ नर्सिंग एसोसिएशन, मध्य प्रदेश की जिला कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन कर दिया है। 13 जुलाई को हुई एक बेहद महत्वपूर्ण और गोपनीय मैराथन बैठक के बाद, 14 जुलाई को संगठन के चेहरों पर मुहर लगा दी गई, जिसने पूरे मेडिकल कॉलेज प्रशासन में खलबली मचा दी है।

इस नए संगठन का मुख्य एजेंडा बिल्कुल साफ और आक्रामक है, नर्सिंग अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अधिकारों की हर कीमत पर रक्षा करना, बरसों से लंबित उनकी सेवा संबंधी पेचीदा समस्याओं का समाधान करवाना और मैनेजमेंट के सामने घुटने टेकने के बजाय सकारात्मक व मजबूत संवाद स्थापित करना। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पद संभालते ही साफ चेतावनी दी है कि अब नर्सिंग संवर्ग से जुड़े मुद्दों को सीधे शासन और आबकारी/स्वास्थ्य विभाग के शीर्ष स्तर पर बेहद प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। संगठन को पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से संचालित करने का सामूहिक संकल्प लिया गया है।

एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष धनराज नागर और प्रांतीय कार्यकारिणी के सीधे हस्तक्षेप और मजबूत मार्गदर्शन के बाद शहडोल जिला कार्यकारिणी का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। जिला अध्यक्ष की कमान राजेंद्र प्रसाद साहू को सौंपी गई है, जिन्होंने जिम्मेदारी मिलते ही साफ कर दिया कि मरीजों का हित हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, लेकिन नर्सिंग स्टाफ का शोषण अब बर्दाश्त नहीं होगा। अस्पताल की इस नई टीम का ढांचा बेहद मजबूत बनाया गया है। जिसमें संरक्षक (जिला शहडोल) प्रियव्रत रघु, जिलाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद साहू, सचिव अंकित सोनबिरसे, महामंत्री प्रवीण सिंह सिकरवार शामिल है। इसके साथ ही उपाध्यक्ष पद की कमान शकील अहमद खान, श्रीमती उमा रैदास और श्रीमती देविका चौबे को सौंपी गई है। सह-सचिव के रूप में श्रीमती आशा पाटिल, स्वप्नेश मिश्रा, श्रीमती प्रतिभा कुशवाहा और श्रीमती ज्योति साहु मोर्चा संभालेंगे।

संगठन ने अपनी ताकत दिखाते हुए दिनांक 16 जुलाई 2026 को बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता (डीन) को विधिवत पत्र सौंपकर संगठन के गठन की आधिकारिक सूचना दर्ज करा दी है। इस पत्र की प्रतियां मध्य प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री (लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग), कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और सोहागपुर थाना प्रभारी तक को भेजी गई हैं, जिससे साफ है कि संगठन किसी भी दबाव में झुकने को तैयार नहीं है।

बैठक में मौजूद सैकड़ों नर्सिंग कर्मियों ने एक सुर में संकल्प लिया कि वे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मरीजों के इलाज में कोई कोताही नहीं बरतेंगे, लेकिन अपनी जायज मांगों (जैसे नाइट अलाउंस, समय पर पदोन्नति और कार्यस्थल पर सुरक्षा) को लेकर अब पीछे नहीं हटेंगे। जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद साहू ने इस सफल गठन के लिए प्रदेश अध्यक्ष धनराज नागर और समस्त प्रदेश कार्यकारिणी का आभार जताया है। अब देखना यह होगा कि इस नए और आक्रामक संगठन के सामने मेडिकल कॉलेज प्रबंधन का क्या रुख रहता है।

जनसेवा के महानायक डॉ. प्रमोद सिंह नहीं रहे
शहडोल सहित पूरे अंचल में शोक की लहर

शहडोल। जिले सहित देश-प्रदेश के चिकित्सा, प्रशासनिक और सामाजिक जगत से बेहद दुःखद खबर सामने आई है। जनसेवा, उत्कृष्ट चिकित्सा और अद्वितीय मानवीय मूल्यों के जीवंत प्रतीक, प्रख्यात अस्थि रोग विशेषज्ञ (ऑर्थोपेडिक सर्जन) एवं कुशल प्रशासक श्रद्धेय डॉ. प्रमोद सिंह अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके आकस्मिक निधन की खबर फैलते ही पूरे संभाग में शोक की लहर दौड़ गई है। डॉ. सिंह का जाना केवल चिकित्सा जगत ही नहीं, बल्कि समूचे समाज के लिए एक ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। उन्होंने अपना पूरा जीवन सादगी, ईमानदारी और लोककल्याण के लिए होम कर दिया।

24 मार्च 1953 को बुढ़ार (शहडोल) की पावन धरा पर जन्मे डॉ. प्रमोद सिंह जी ने एक ऐसे ऐतिहासिक परिवार में आंखें खोलीं, जिसके रग-रग में देश सेवा बसी थी। वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, मध्य प्रदेश शासन के कद्दावर कैबिनेट मंत्री और गुजरात के पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय कृष्ण पाल सिंह के ज्येष्ठ पुत्र थे।

रीवा सैनिक स्कूल के अनुशासन से लेकर छत्तीसगढ़ के पहले स्वास्थ्य संचालक बनने तक, ऐसा रहा एक कर्मयोगी का सफर

अपने पिता की तीन दशकों की राजनीतिक और राष्ट्रसेवी विरासत को डॉ. सिंह ने कभी अपने पद या रसूख का जरिया नहीं बनाया, बल्कि अपनी मेधा और कर्तव्यनिष्ठा से उस विरासत को एक नया आसमान दिया।

डॉ. सिंह के ओजस्वी व्यक्तित्व की नींव प्रतिष्ठित रीवा सैनिक स्कूल में पड़ी, जहाँ से उन्होंने अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के कड़े संस्कार सीखे। इसके बाद उन्होंने नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज (जबलपुर) से चिकित्सा की पढ़ाई पूरी की और गांधी मेडिकल कॉलेज (भोपाल) तथा मुंबई विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। अपनी कुशाग्र बुद्धि के बल पर उन्होंने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग में परचम लहराया और चीफ मेडिकल ऑफिसर के रूप में सरकारी सेवा में कदम रखा। एक बेहतरीन ऑर्थोपेडिक सर्जन के रूप में डॉ. सिंह ने लगभग 10 वर्षों तक कटनी में अपनी सेवाएं दीं। उनके लिए डॉक्टरी कोई धंधा नहीं, बल्कि तड़पते मरीजों की सेवा का माध्यम थी। उनकी एक मुस्कान ही मरीजों का आधा दर्द हर लेती थी।

बाद में, उन्होंने मध्य प्रदेश में संयुक्त संचालक का पद संभाला। जब छत्तीसगढ़ नया राज्य बना, तो उन्हें वहां का प्रथम स्वास्थ्य संचालक बनने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होंने शून्य से शुरुआत करके छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था का ऐसा सुदृढ़ ढांचा तैयार किया कि लाखों गरीबों तक इलाज पहुंचने लगा। लोक स्वास्थ्य में उनके इसी अभूतपूर्व योगदान और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए उन्हें देश के प्रतिष्ठित भारत ज्योति अवार्ड सहित कई राष्ट्रीय अलंकरणों से नवाजा गया। डॉ. प्रमोद सिंह जी का संपूर्ण जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शिका की तरह है। उन्होंने ऊंचे से ऊंचे पदों पर रहकर भी कभी अहंकार को खुद पर हावी नहीं होने दिया। आज उनके चले जाने से शहडोल ने अपने माटी के एक अनमोल लाल को खो दिया है।

ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में मोक्ष प्रदान करें और शोकाकुल परिवार व उनके असंख्य प्रशंसकों को इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति दें।

शिल्पकारों की कला अद्वितीय, देश-विदेशों में मिलेगी नई पहचान: सीईओ

ट्राई फ़ेड के माध्यम से उपलब्ध होंगे ऑनलाइन उत्पाद, जनजातीय शिल्पकार नामिका मेला आयोजित

शहडोल। संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम छतवई में भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ, जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार ट्राईफेड क्षेत्रीय कार्यालय मध्यप्रदेश द्वारा जनजातीय शिल्पकार नामिका मेला का आयोजन किया गया। मेला का शुभारंभ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, ट्राईफेड के ए.के. रजक, योगेश यादव द्वारा भगवान गणेश जी प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति ने जनजातीय शिल्पकार नामिका मेला उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शहडोल जिले के शिल्पकारों की कला अद्वितीय है, इनकी कला की पहचान अब देश विदेशों में मिलेगी।

उन्होंने कहा कि संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम, छतवई (शहडोल) द्वारा स्थानीय कारीगरों को डीएमएफ योजना वर्ष 2024-25 अंतर्गत 50 दिवसीय आधुनिक तकनीकों एवं पारंपरिक हस्तशिल्प का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस पहल से कारीगरों के कौशल का विकास होगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा शहडोल जिले के हस्तशिल्प एवं हाथकरघा उत्पादों को व्यापक बाजार मिलेगा।

नामिका मेला में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए ट्राइफेड विभाग के श्री योगेश यादव ने कहा कि जिले के शिल्पकार ट्राइफेड विभाग से जुड़े और ऑनलाइन पंजीयन कराएं जिससे उनके द्वारा निर्मित किए गए उत्पादो की मार्केटिंग सुनिश्चित हो सके एवं ट्राइफेड विभाग द्वारा फ्लिपकार्ड, एमोजोन सहित अन्य इंटरनेट माध्यम से अपलोड कर उत्पादो को बढावा दिया जा सकें। उन्होंने कहा कि ट्राइफेड विभाग प्रारंभ में खरीददार उनके उत्पादो की कीमत प्रदाय की जाएगी। इस अवसर पर शिल्पकारों द्वारा गोंडी पेंटिग, काष्ठ शिल्प, ऊलन दरी निर्मित उत्पादो के स्टालो का निरीक्षण भी किया गया एवं शिल्पकारों द्वारा निर्मित किये गए उत्पादो के बारे में जानकारियां प्राप्त की गई। जनजातीय शिल्पकार नामिका मेला में उपस्थित अधिकारियों द्वारा ट्रेनरो एवं उत्कृष्ट प्रषिक्षणार्थियो को प्रशस्ति पत्र एवं फूलमाला पहनाकर सम्मानित भी किया गया। गौरतलब है कि ग्राम छतवई में संचालित संत रविदास हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम में डीएमएफ योजना अंतर्गत स्वीकृत 50 दिवसीय गोंड़ी पेटिंग, रॉट आयरन, काष्ठ शिल्प,कालीन दरी का प्रशिक्षण संचालित किया गया था। जिसमें प्रशिक्षको द्वारा लगभग 200 स्थानीय प्रशिक्षणार्थी शामिल रहें। इस अवसर पर सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, जिला परियोजना अधिकारी आजीविका मिशन अजय सिंह सहित ट्रेनर्स, प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहें।

जगन्नाथ चक्का नैन नीलाचल वारे.. की गूंज

शहडोल। सनातन संस्कृति की अगाध आस्था, सामाजिक समरसता व लोक मंगल के पावन प्रतीक, महाप्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा का स्वागत भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा के सदस्यों के द्वारा घरौला नाथ मंदिर के पास किया गया। उत्सव में नाचते गाते भक्तों को प्रसाद स्वरूप मीठा चावल का वितरण भी किया गया। परिषद सदस्यों द्वारा राम मंदिर से शुरू रथ यात्रा की अगवानी की गई तथा महाप्रभु के दर्शन प्राप्त कर आरती की गई। भगवान को प्रसाद का भोग लगाकर उपस्थित जन मानस को वितरित किया गया। सभी नगर वासियों को भगवान की कृपा प्राप्त हो, सबके सुखी, समृद्ध और संतुष्ट जीवन की मंगल कामना की गई। कार्यक्रम का संयोजन अशोक मोर ने किया। परिषद अध्यक्ष मनीष गुप्ता,सचिव नीति सिंघल, प्रिया चौरसिया, विजय दुबे, अजय शर्मा, अशोक सराफ, डॉ.सुशील सिंघल, पूजा सोनी, किशोर केडिया, जितेंद्र मिश्रा, ममता नेमा, रिंकी दुबे, रेनू मिश्रा, रवि नेमा, डॉ राहुल, डॉ.रितु सोनी, अखिलेश शर्मा,सरिता मोर, दीपक केशरवानी, प्रमोद सोनी, संगीता मोर, गौरव मिश्रा,अनिल मोर सहित अन्य सदस्य और नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यालय मु.का.अधि. जि.पं. (योजना एवं सांख्यिकी), जिला-शहडोल (म.प्र.)

क्रमांक/ 435 /आ.वि.का./2026 — शहडोल दिनांक 15/07/2026

ऑनलाइन ई-निविदा सूचना

भारत सरकार, नीति आयोग द्वारा स्वीकृत "Future Skills & AI Innovation Lab for Senior Students" परियोजना अंतर्गत AI Innovation Lab की स्थापना एवं संबंधित उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना, प्रशिक्षण तथा Operation & Maintenance सहित कार्य के लिए मध्यप्रदेश भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम, 2022 के प्रावधानों के अनुसार मध्यप्रदेश ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से पात्र एवं अनुभवी संस्थाओं / एजेंसियों से द्वि-आवरण प्रणाली (तकनीकी एवं वित्तीय निविदा) के अंतर्गत अल्पकालीन ऑनलाइन ई-निविदाएँ आमंत्रि की जाती हैं।

निविदा हेतु समय-सारणी

क्र.	विवरण	दिनांक एवं समय
1	ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि	17/07/2026, अपराह्न 12:00 बजे
2	ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	23/07/2026, अपराह्न 03:00 बजे
3	तकनीकी निविदा खोले जाने की तिथि	20/07/2026, अपराह्न 03:00 बजे

निविदा प्रपत्र शुल्क :- रू 3,000/- (रुपये तीन हजार मात्र) धरोहर राशि (EMD) :- रू 70,000/- (रुपये सत्तर हजार मात्र)
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी, निविदा दस्तावेज, पात्रता की शर्तें एवं अन्य आवश्यक विवरण मध्यप्रदेश शासन के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://mptenders.gov.in पर उपलब्ध हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत, शहडोल (म.प्र.)

एमजीएम विद्यालय में छात्र संसद का भव्य शपथ ग्रहण समारोह

विधिक साक्षरता शिविर से मिली कानूनी ज्ञान की रोशनी

आर्यभट्ट, भाभा, चरक और सत सदन के नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों ने ली कर्तव्यनिष्ठा और गोपनीयता की शपथ

अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल और नरेंद्र कुमार भंडारी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ गरिमामय आयोजन

मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

धनपुरी। स्थानीय एम.जी.एम. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, धनपुरी के प्रांगण में शिक्षा, अनुशासन, भावी नेतृत्व और कानूनी जागरूकता का एक अनूठा एवं ऐतिहासिक संगम देखने को मिला। विद्यालय परिसर में वर्ष 2026-27 की नवनिर्वाचित छात्र संसद के लिए पद एवं दायित्व ग्रहण समारोह तथा विधिक सहायता शिविर का अत्यंत भव्य, गरिमामय और उल्लासपूर्ण वातावरण में आयोजन किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर विद्यालय के चारों प्रमुख सदनों—आर्यभट्ट (नीला), भाभा (हरा), चरक (पीला) एवं सत (लाल)—के नवनिर्वाचित बाल जन-प्रतिनिधियों को विधिवत बैज और पट्टिकाएं पहनाकर पद, कर्तव्यनिष्ठा तथा गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। देश के भावी कर्णधारों के संकल्प से पूरा विद्यालय परिसर करतल ध्वनि और उत्साह से गूंज उठा।

न्यायाधीशों का शाल-श्रीफल से आत्मीय अभिनंदन

इस गरिमामय समारोह के मुख्य अतिथि माननीय सुशील कुमार अग्रवाल (अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश) तथा विशिष्ट अतिथि माननीय नरेंद्र कुमार भंडारी रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय परिवार द्वारा दोनों मुख्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) के वरिष्ठ सदस्य अरविंद सिंह, कैलाश लालवानी एवं अंशुमान ने विद्यालय परिवार की ओर से दोनों माननीय न्यायाधीशों को शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

नेतृत्व पद नहीं, बल्कि सेवा और नैतिक मूल्यों का संकल्पः न्यायाधीश अग्रवाल

अपने अत्यंत प्रेरणादायी और ओजस्वी उद्बोधन में मुख्य अतिथि सुशील कुमार अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व केवल कोई पद या अधिकार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति सेवा, समर्पण, उत्तरदायित्व और उच्च नैतिक मूल्यों के निर्वहन का एक पवित्र संकल्प है। उन्होंने नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों से कहा कि आज उन्हें जो भी जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं, वे भविष्य में उनके चरित्र और मजबूत व्यक्तित्व निर्माण की मजबूत आधारशिला सिद्ध होंगी। न्यायाधीश महोदय ने जीवन में अनुशासन, सत्यनिष्ठा, समय का पालन और कर्तव्यपरायणता को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए विद्यार्थियों से अपने विद्यालय और राष्ट्र की गरिमा को सदैव सर्वोपरि रखने का आह्वान किया।

बाल सुरक्षा, साइबर अपराध और यातायात नियमों की दी सीख

विधिक सहायता शिविर के अंतर्गत माननीय न्यायाधीश ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक जीवन से जुड़ी बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशीलता से परिपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने बच्चों को सुरक्षित स्पर्श (गुड टच) और असुरक्षित स्पर्श (बैड टच) के अंतर को समझाते हुए व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति सदैव सजग रहने की महत्वपूर्ण सीख दी। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए संतुलित एवं पौष्टिक भोजन ग्रहण करने, नशीली वस्तुओं व अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहने तथा अठारह वर्ष की आयु पूर्ण होने से पहले किसी भी प्रकार के वाहन को न चलाने की सख्त सलाह दी। इसके साथ ही उन्होंने बाल अधिकार, नागरिक कर्तव्य, भारतीय संविधान, सडक़ सुरक्षा तथा वर्तमान समय के बड़े खतरे साइबर अपराधों के प्रति सरल एवं रोचक शैली में जागरूक किया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि विद्यालयों में ऐसे विधिक साक्षरता शिविर निरंतर आयोजित होने चाहिए, ताकि बच्चों में बाल्यकाल से ही कानून के प्रति सम्मान, जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना का विकास हो सके। विशिष्ट अतिथि माननीय नरेंद्र कुमार भंडारी ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि हर जिम्मेदारी एक अटूट विश्वास का प्रतीक होती है। एक सच्चा नायक वही है, जो विनम्रता, ईमानदारी, अनुशासन एवं सेवा-भाव से युक्त हो। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने आचरण द्वारा दूसरों के लिए प्रेरणा बनने का आग्रह किया।

अनुशासन ही मार्गदर्शन की पहली सीढ़ीः प्राचार्य फादर जॉबी पीटर

विद्यालय के प्राचार्य फादर जॉबी पीटर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दायित्व ग्रहण समारोह विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्म-विश्वास, आपसी सहयोग, अनुशासन एवं सेवा-भाव को अंकुरित करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने नवनिर्वाचित छात्र संसद से विद्यालय की गौरवशाली परंपराओं तथा उच्च जीवन मूल्यों को निरंतर आगे बढ़ाने की अपेक्षा की। विद्यालय की उप-प्राचार्य जॉर्जिना ग्रेस ने सभी छात्र प्रतिनिधियों को अपनी आत्मीय शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नेतृत्व का वास्तविक और गहरा अर्थ दूसरों पर अपना अधिकार जताना नहीं है, बल्कि स्वयं को कड़े अनुशासन में रखकर दूसरों का सही मार्गदर्शन करना है। उन्होंने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि यह नवगठित छात्र संसद विद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल-कूद की गतिविधियों को एक नए मुकाम पर ले जाएगी। समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने अत्यंत मनोहारी और देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसके बाद अतिथियों के साथ सामूहिक चित्र लिया गया।

चारों सदनों के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की सूची

इस भव्य समारोह में चारों सदनों के छात्र प्रतिनिधियों को औपचारिक रूप से उनके दायित्व सौंपे गए, जो इस प्रकार हैं।

आर्यभट्ट सदनः यश सिंह (सदन नायक), शुभ प्रकाश वर्मालिया (उप-सदन नायक), इहावी भट्ट (अनुशासन मंत्री), मेहुल गुप्ता (सांस्कृतिक मंत्री), मिमांश शर्मा (खेल मंत्री) तथा खदीजा बेगम (स्वच्छता मंत्री)। इसके अतिरिक्त सोम्या राजेन्द्र यादव, दर्श जैन एवं जागृति शर्मा को प्रीफेक्ट की जिम्मेदारी दी गई।

भाभा सदनः अथर्व मिश्रा (सदन नायक), लक्ष्य वर्मा (उप-सदन नायक), अभिन्नव शर्मा (अनुशासन मंत्री), श्रुति सिंह (सांस्कृतिक मंत्री), मोहम्मद अमजद अंसारी (खेल मंत्री) तथा मानवीत खान (स्वच्छता मंत्री)। साथ ही श्रेया दहिया, हिशिता मान्यवानी, श्रुया सिंह एवं अर्पिता गुप्ता को प्रीफेक्ट नियुक्त किया गया।

चरक सदनः गीत जैन (सदन नायक), यश पोद्दार (उप-सदन नायक), अद्वैत तिवारी (अनुशासन मंत्री), श्रेया केवट (सांस्कृतिक मंत्री), सोम्या ओट्टे (खेल मंत्री) तथा हिना परवीन (स्वच्छता मंत्री)। वहीं अनन्या गुप्ता, अंश सिंह, सनत कोसी एवं अनन्या तिवारी को प्रीफेक्ट का प्रभार मिला।

सत सदनः शुभ द्विवेदी (सदन नायक), शौर्य सिंह बघेल (उप-सदन नायक), रजवीर सिंह (अनुशासन मंत्री), हसीना समीर (सांस्कृतिक मंत्री), अहद अंसारी (खेल मंत्री) तथा अशित माझी (स्वच्छता मंत्री)। इसके साथ ही कुहू जायसवाल, वंश बजाज, सत्यम गुप्ता एवं श्रेया मिश्रा को प्रीफेक्ट की कमान सौंपी गई। इस भव्य आयोजन में अभिभावक-शिक्षक संघ के पदाधिकारी, समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं, प्रबुद्ध नागरिक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में सभी पदाधिकारियों ने विद्यालय की प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने और अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ निर्वहन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

खबर संक्षेप

विश्व सर्प दिवस' के अवसर पर छात्राओं को किया गया जागरुक

राजेंद्रग्राम। प्रणाम नर्मदा युवा संघ द्वारा आज 'विश्व सर्प दिवस' के अवसर पर 'माता शबरी शासकीय शिक्षा परिसर, राजेंद्रग्राम' में छात्राओं एवं शिक्षकों के साथ एक विशेष सर्पदंश जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सर्पों के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करना, वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना तथा सर्पदंश की स्थिति में सही प्राथमिक उपचार के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान लगभग 400 छात्राओं एवं विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सत्र में सर्पों की पहचान, विषैले एवं विषहीन सर्पों की पहचान, सर्पों से जुड़े अंधविश्वासों का वैज्ञानिक खंडन, सर्पदंश से बचाव के उपाय तथा सर्पदंश होने की स्थिति में अपनाए जाने वाले प्राथमिक उपचार की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम की विशेषता छात्राओं, शिक्षकों एवं सर्प विशेषज्ञों के बीच हुआ प्रश्नोत्तर एवं संवाद सत्र रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इसके साथ ही विशेषज्ञों ने पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से सर्पों के व्यवहार, उनके महत्व तथा मानव और प्रकृति के बीच उनके योगदान को सरल एवं रोचक ढंग से समझाया। कार्यक्रम के अंत में सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किए गए एक जीवित सर्प का प्रदर्शन (डेमो) किया गया, जिसके माध्यम से उपस्थित सभी लोगों को सर्पों की प्राकृतिक गतिविधियों, उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखने तथा किसी भी सर्प के दिखाई देने पर घबराने के बजाय प्रशिक्षित सर्पमित्र या वन विभाग से संपर्क करने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रनयुस के अध्यक्ष डॉ. विकास चंदेल, अनूपपुर जिले के वन्य जीव संरक्षक एवं सर्प प्रहरी शशिधर अग्रवाल, सर्प विशेषज्ञ भास्कर कुमार वर्मे, सर्पमित्र माखन सिंह धुर्वे, सर्प मित्र छोटे लाल यादव, महेंद्र यादव, देवराज डीके, विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक मनोज कुमार धुर्वे सहित अन्य शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी वक्ताओं ने प्रकृति एवं जैव विविधता के संरक्षण में सर्पों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए समाज से वैज्ञानिक सोच अपनाने और अंधविश्वासों से दूर रहने का संदेश दिया। यह कार्यक्रम ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं अत्यंत सफल रहा। विद्यालय परिवार, छात्राओं तथा सभी सहयोगियों की सक्रिय सहभागिता ने विश्व सर्प दिवस के इस आयोजन को सार्थक एवं यादगार बना दिया।

सीएम राइज स्कूल पुष्पराजगढ़ में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

राजेंद्रग्राम। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर श्रीमती माया विश्वलाल एवं सचिव रावेन्द्र कुमार सोनी के मार्गदर्शन में शुक्रवार को तहसील विधिक सेवा समिति, सिविल न्यायालय राजेन्द्रग्राम द्वारा शासकीय सीएम राइज हायर सेकेंडरी स्कूल, पुष्पराजगढ़ में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1 सुनील कुमार खरे ने छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को संबोधित करते हुए संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्यों, लैंगिक समानता, समानता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, साइबर अपराध, मोटरयान अधिनियम, लोक अदालत, मध्यस्थता तथा निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से कानून की जानकारी रखने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा डिजिटल माध्यमों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने का आह्वान किया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई, ताकि जरूरतमंद नागरिक समय पर निःशुल्क कानूनी सहायता का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य आर.पी. सिंह, पीएलवी राजकुमार खाण्डे, सहायक ग्रेड-3 अशोक कुमार उइके, विद्यालय स्टाफ सहित लगभग 350 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग बनाना रहा।

क्षमता से अधिक बच्चों की ढुलाई, अभिभावकों ने संयुक्त जांच दल की मांग की

कोतमा में स्कूली वाहनों में बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़

कोतमा। प्रदेशभर में स्कूली वाहनों की सुरक्षा को लेकर लगातार नियम बनाए जा रहे हैं और समय-समय पर जांच अभियान भी चलाए जाते हैं, लेकिन कोतमा नगर में कई निजी विद्यालयों के स्कूली वाहनों में इन नियमों की खुलेआम अनदेखी देखने को मिल रही है। स्कूल बसों के अलावा ऑटो, पिकअप और ई-रिक्शा में भी क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर स्कूल लाया-ले जाया जा रहा है, जिससे बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर में कई निजी विद्यालयों की बसों में सीटें पूरी तरह भर जाने के बाद भी बच्चों को खड़े होकर यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। कई वाहनों में बैठने तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं रहती, जिससे गर्मी और उमस के बीच बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने के कारण दुर्घटना की स्थिति में बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है।

बसों में ओवरलोडिंग, ऑटो और ई-रिक्शा भी नियमों से दूर

स्कूल बसों के अलावा कई ऑटो, पिकअप और ई-रिक्शा में भी छोटे-छोटे बच्चों को ठूंस-ठूंसकर बैठाया जा रहा है। कई वाहनों पर ऑन

स्कूल ड्यूटी या स्कूल बस का बोर्ड तक नहीं लगा होता और न ही उनका रंग निर्धारित मानकों के अनुसार पीला होता है। इससे ऐसे वाहनों की पहचान भी मुश्किल हो जाती है।

क्या कहते हैं नियम

सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन और केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के अनुसार 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों को ले जाने वाले वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाना गैरकानूनी है। स्कूल बसों में पीला रंग, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशामक यंत्र, खिड़कियों पर सुरक्षा ग्रिल, जीपीएस, सीसीटीवी, प्रशिक्षित चालक और परिचारक की व्यवस्था अनिवार्य मानी गई है। नियमों के उल्लंघन पर वाहन जब्त करने और जुर्माना लगाने का प्रावधान भी है।

अनफिट और बिना परमिट वाहनों के संचालन का आरोप

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर में कई स्कूल बसें बिना वैध परमिट के संचालित हो रही हैं। कुछ अनफिट वाहनों को केवल रंग-रोगन कर नया स्वरूप देकर सड़क पर उतार दिया जाता है। वहीं 25 सीटर बसों में भी क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। परिवहन नियमों की अलग-अलग व्याख्या कर ओवरलोडिंग को सही ठहराने का प्रयास किया जाता है।

अभिभावकों ने उठाई संयुक्त जांच दल की मांग

अभिभावकों ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि परिवहन विभाग, पुलिस और शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम गठित कर नगर में संचालित सभी स्कूली वाहनों की नियमित जांच कराई जाए। जो वाहन सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

कर्तव्यनिष्ठ सेवा का मिला सम्मान, थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल पदोन्नत

हरिभूमि न्यूज

कोतमा। मध्यप्रदेश गृह विभाग द्वारा जारी पदोन्नति आदेश में कोतमा थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल को पदोन्नति प्रदान की गई है। उनकी पदोन्नति पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। रत्नांबर शुक्ल को यह पदोन्नति उनकी कर्तव्यनिष्ठ सेवा, उत्कृष्ट कार्यशैली, ईमानदारी और प्रभावी पुलिसिंग के लिए मिली है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा आमजन का पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल ने हमेशा निष्पक्ष, संवेदनशील और जनहितैषी कार्यशैली अपनाते हुए पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया। उनकी पदोन्नति को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं का सम्मान माना जा रहा है। नागरिकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे आगे भी अपनी नई जिम्मेदारियों का उसी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे।

660 मेगावाट प्लांट निर्माण से बढ़ी अव्यवस्थाओं पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उठाई आवाज

कलेक्टर व एसपी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज चचाई।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई में 660 मेगावाट की नवीन इकाई के निर्माण कार्य के साथ क्षेत्र में उत्पन्न हो रही विभिन्न अव्यवस्थाओं को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं नागरिकों ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा अधिकारी तथा थाना प्रभारी चचाई को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि बीएचईएल के अधीन विभिन्न कंपनियां देश के कई राज्यों से बड़ी संख्या में श्रमिकों को लेकर चचाई पहुंच रही हैं। आरोप है कि इन श्रमिकों के रहने की समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण वे आसपास के गांवों एवं बस्तियों, जैसे केल्हौरी, मौहार टोला, देवरी खुटवा और चचाई बस्ती में किराए के मकानों में रह रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर शांति एवं कानून व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका व्यक्त की गई है। ज्ञापन में मांग की गई है कि प्लांट में कार्यरत प्रत्येक कंपनी के श्रमिकों का पुलिस सत्यापन कराया जाए तथा उनके आधार कार्ड सहित अन्य पहचान दस्तावेजों की जांच सुनिश्चित की जाए। साथ

ही स्थानीय रहवासियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए कंपनियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

अवैध वाहनों के संचालन पर भी जताई चिंता

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि 660 मेगावाट परियोजना के निर्माण कार्य के चलते औद्योगिक क्षेत्र में बाहरी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई वाहन बिना आवश्यक दस्तावेजों एवं वैध परमिट के संचालित हो रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि चचाई थाना एवं सुरक्षा विभाग संयुक्त रूप से वाहनों के दस्तावेज, फिटनेस, परमिट तथा चालकों के लाइसेंस की नियमित जांच करें। विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्र में केवल वैध कमर्शियल लाइसेंस एवं टैक्सी परमिट वाले वाहनों का ही संचालन सुनिश्चित कराया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों का कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में क्षेत्र में कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में सुशील तिवारी, नरेंद्र जैन, मनोज प्रधान, अनिल अग्रवाल, छोटे जैन सहित स्थानीय पत्रकार एवं अन्य समाजसेवी शामिल रहे।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन को लेकर कंट्रोल रूम स्थापित

कटनी। शुक्रवार, 17 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के विधानसभा क्षेत्र बहोरीबंद (स्लीमनाबाद) में प्रस्तावित आगमन को लेकर जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने जिला पंचायत में कंट्रोल रूम गठित करते हुए प्रभारी अधिकारी के अतिरिक्त दस लोक सेवकों को सुचारू क्रियान्वयन हेतु अहम जिम्मेदारी सौंपी है। संबंधित अधिकारी-कर्मचारी स्थापित कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर परियोजना अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में कार्य संपादित करेंगे। अधिकारी एवं कर्मचारी जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर द्वारा सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

नाबालिग को दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा

सिलौंडीं। सिलौडी चौकी पुलिस द्वारा नाबालिग गुमशुदा लड़की को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया । पुलिस के अनुसार 11 जुलाई को फरियादिया ने चौकी उपस्थित आकर रिपोर्ट लेख करायी की इसकी लड़की रात्रि 11 बजे करीब से कही चली गई थी। रिपोर्ट पर अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया था । अपहता की पता तलाश सूत्रो एवं तकनीकि आधार पर की गई एवं 15 जुलाई को अपहता की दस्तयाबी बहोरीबंद से की गई और परिजनो के सुपुर्द किया गया। कार्रवाई में चौकी प्रभारी अनिल कुमार पाण्डेय, प्रधान आरक्षक अतुल शर्मा आर. धर्मवीर सिंह रामसेवक विश्वकर्मा की भूमिका रही।

घुमंतू मवेशियों को भेजा गया कांजी हाउस

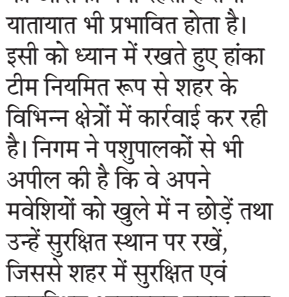

कटनी। नगर में यातायात व्यवस्था को सुगम एवं घुमंतू मवेशियों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम की हांका टीम द्वारा घुमंतू मवेशियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि बुधवार शाम चलाए गए अभियान के तहत नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पन्ना मोड तिराहा, कुठला स्थित इंडिया होटल के पास, नदी पार स्थित मुक्तिधाम मोड, जगन्नाथ चौक कटनी नदी ब्रिज पर चलाए गए अभियान के दौरान 10 घुमंतू मवेशियों को पकड़कर कांजी हाउस भेजा गया। निगम प्रशासन ने बताया कि सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है तथा यातायात भी प्रभावित होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए हांका टीम नियमित रूप से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई कर रही है। निगम ने पशुपालकों से भी अपील की है कि वे अपने मवेशियों को खुले में न छोड़ें तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखें, जिससे शहर में सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवागमन बनाए रखा जा सके।

युवक ने लगाई फांसी

उमरियापान। ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के आमाझाल गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार आमाझाल निवासी पिंटू पिता अशोक भूमिया (26) ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को फंदे से नीचे उतरवाया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।थाना प्रभारी महिमा रघुवंशी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने बताया है कि पिंटू लंबे समय से गंभीर बीमारी से परेशान था। इसी मानसिक तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पापौध रोड़ वार्ड 13 गायत्री शक्तिपीठ का घटिया निर्माण कार्य पिछले माह बनी नाली का चेम्बर्स सहित नाली गिर रही

नाली में सरिया का ढांचा भी बिड़र है छाया चित्र से पता चलता है कि निर्माण कार्य में बड़ी अनियमित की गई

योहारी

ब्योहारी नगर परिषद क्षेत्र में पापौध रोड़ वार्ड 13 गायत्री शक्तिपीठ के पास नाली का घटिया निर्माण कार्य किया जा रहा है

जब कि पिछले माह नाली निर्माण कार्य हुआ था अभी नाली व नाली के चेम्बर्स निर्माण हुए मुश्किल से लगभग 27 - 28 दिन हुआ है और नाली व चेम्बर्स टूटने लगें हैं साथ ही नाली निर्माण कार्य में जो सरिया की जाल बनया गया है वो बिड़र है लोगों कहना है जब नाली निर्माण में नींव रखी गई है वहीं से घटिया निर्माण दिखाई देता है भ्रष्टाचार कि बू आती है* जब कि पपौध रोड़ राजमार्ग में आने वाले क्षेत्र हो गया जैसा इस सड़क मार्ग में कम से कम सैकड़ों वाहन का आना जाना रहता है जैसा इसी सड़क मार्ग ब्योहारी का व प्रदेश का पर्यटक स्थल आईलैंड जाने एक ही रास्ता है जब सड़क किनारे बन नाली रही का घटिया निर्माण व भ्रष्टाचार होता रहेगा तो निर्माण कार्य में गुड़वत्ता कहा दिखाई देगा। वार्ड 13 के रहवासियों कि मांग है नाली निर्माण कार्य कि जांच हो और दोषी ठेकेदार के खिलाफ शक्त कार्यवाही होनी चाहिए जिससे भविष्य में किसी निर्माण कार्य भ्रष्टाचार कि भेंट न चढ़े।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई

बिरसिंहपुर पाली, उमरिया।

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा के निर्देश पर ₹नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0₹ अभियान के अंतर्गत दिनांक 17 जुलाई 2026 को शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली, जिला उमरिया में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा, कैरियर और पूरे समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से जीवन में सकारात्मक सोच अपनाने, अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने तथा नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने का आह्वान किया।राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शाहिद ए सिद्दीकी एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मनीषा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को नशे के सामाजिक, मानसिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी यदि नशे से दूर रहेगी तो परिवार, समाज और राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित एवं सशक्त बनेगा।कार्यक्रम के दौरान सभी छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित स्टाफ को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे, दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे तथा नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएँगे।इस अवसर पर डॉ. नरेश प्रसाद शुक्ला, श्री बालेंद्र यादव, श्री प्रह्लाद सिंह, श्री जैकी सक्सेना, श्री मुन्ना सिंह, श्री रमेश लाल संत सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश पुलिस के "नशे से दूरी है जरूरी" -एसडीओपी

उमरिया – मध्यप्रदेश पुलिस के "नशे से दूरी है जरूरी" अभियान के तहत उमरिया पुलिस द्वारा ''नशा से दूरी है जरूरी 2.0'' अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना एवं उन्हें इससे दूर रहने हेतु प्रेरित करना है। मुख्य कार्यक्रम ग्राम पंचायत बंनौदा के शासकीय विद्यालय बंनौदा , पाली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने नशे के प्रकार, उसके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। उपस्थित सभी छात्र छात्राओं और शिक्षकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।संवाद के दौरान पाली एसडीओपी शिवचरण बोहित के द्वारा नशे से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया गया तथा नशे के खिलाफ अभियान में भागीदारी निभाने हेतु अपील की गई। नशा करने वाले व्यक्ति के साथ इसका दुष्प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। इस अभियान के दौरान लोगों को नशा छुड़ाने के साथ युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।अनेक युवा जो नशे में किसी कारणवश फंस जाते हैं और फिर उसने नशे की पूर्ति के लिए कोई भी आपराधिक वारदात करने से नहीं हिचकते हैं। नशा एवं अपराध मुक्त समाज की स्थापना के लिए हम सभी को मिलकर कदम उठाने होंगे, तभी यह मुहिम सार्थक होगी।नशे से दूरी वाले पोस्टर वितरित किए गए, साथ ही नशे के खिलाफ शपथ दिलाई गई।उमरिया पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत जिले में लगातार ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में जाने से रोका जा सके और उन्हें एक स्वस्थ, सुरक्षित व सकारात्मक जीवन जीने हेतु प्रेरित किया जा सके।कार्यक्रम का कुशल संचालन लालजी साहू द्वारा किया गया।इसके अतिरिक्त, एनजीओ युवा टीम के संयोजक हिमांशु तिवारी सहित पदाधिकारीगण भी कार्यक्रम में मौजूद रहे, जिन्होंने नशा उन्मूलन में समाज की भूमिका पर प्रकाश डाला।जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यायल प्राचार्य मैथिली शरण पांडेय,शिक्षिका जया वासवानी , शिक्षक योगेंद्र सिंह, संजय गौतम,मनोज प्रजापति,पुष्पेंद्र सिंह,तनुजा पटेल,मनोज प्रजापति राहुल सिंह ,अभिनव द्विवेदी सहित विद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कटनी आगमन को लेकर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की लगी ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शुक्रवार, 17 जुलाई को प्रस्तावित कटनी प्रवास को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आशीष तिवारी ने कार्यक्रम के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं अन्य अधिकारियों की की ड्यूटी निर्धारित किया है। साथ ही सभी नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय सीमा में अपने दायित्वों का प्रभावी एवं जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जारी आदेश के अनुसार संपूर्ण कानून एवं शांति व्यवस्था के लिए अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र को नोडल अधिकारी तथा एसडीएम बहोरीबंद प्रदीप मिश्रा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम स्थल में मंच पर कानून एवं शांति व्यवस्था की जिम्मेदारी संयुक्त कलेक्टर एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट जीतेन्द्र कुमार पटेल, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट ढीमरखेड़ा नितिन कुमार पटेल को दी गई है।

कार्यक्रम स्थल में वीआईपी प्रवेश द्वार पर कानून एवं शांति व्यवस्था के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट बड़वारा ऋषि गौतम और मुख्यमंत्री के सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था के लिए एसडीएम बहोरीबंद प्रदीप मिश्रा, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट स्लीमनाबाद आकाशदीप नामदेव को दायित्व सौंपा गया है। वहीं हेलीपेड पर कानून एवं शांति व्यवस्था के लिए एसडीएम विजयराघवगढ विवेक कुमार गुप्ता कों जिम्मेदारी दी गई है।

कार्यक्रम स्थल पर ग्रीन रूम व सेफ हाउस में कानून एवं शांति व्यवस्था के लिए एसडीएम ढीमरखेड़ा निधि गोहल, निर्माणाधीन टनल के पास स्थित ग्रीनरूम व सेफ हाउस में कानून एवं शांति व्यवस्था के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट रीठी आकांक्षा चौरसिया, वीआईपी पार्किंग स्थल पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट सिलोड़ी संतोष श्रीवास्तव, वृक्षारोपण स्थल पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट विजयराघवगढ राजेन्द्र श्रीवास्तव, प्रेसवार्ता स्थल पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट विगढ मनीष शुक्ला तथा इसरार खान की ड्यूटी लगाई है।

महापौर ने समीक्षा बैठक में कार्यों की प्रगति की ली जानकारी

निर्माण कार्यों की करें मानीटरिंग, तकनीकी मानकों एवं गुणवत्ता पर रखें विशेष नजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने बुधवार 15 जुलाई को लोक निर्माण विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने शहर में प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में चौपाटी निर्माण कार्य, कटाए घाट रिवर फ्रंट, थाना तिराहा से मिशन चौक तक डिवाइडर निर्माण, सड़क, नाली निर्माण व कवरिंग कार्य सहित विभिन्न विकास अधोसंरचना कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। महापौर ने निर्देशित किया कि प्रस्तावित कार्यों की आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर कार्यों को गति प्रदान की जाए, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने भूमिपूजन हो चुके कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने निर्देश दिए।

बैठक में नाली निर्माण एवं नाला कवरिंग कार्यों की भी समीक्षा के दौरान महापौर श्रीमती सूरी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नाली निर्माण कार्यों में पर्याप्त संख्या में चैंबर बनाए जाएं तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही निर्माणाधीन सभी विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग संबंधित अधिकारियों द्वारा की जाए व निर्माण कार्यों के दौरान गुणवत्ता, तकनीकी मानकों एवं निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि कार्यों की सतत निगरानी से कार्यों में गुणवत्ता बनी रहेगी और नागरिकों को समय पर सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा। महापौर ने कहा कि शहर के विकास कार्यों का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं, सुगम आवागमन और व्यवस्थित शहरी वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी स्वीकृत एवं प्रस्तावित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए तथा किसी भी कार्य में अनावश्यक विलंब न हो।

विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने पर दिया जोर

महापौर ने विद्यालयों में चल रहे कार्यों का लिया जायजा, दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को वर्षा ऋतु के दौरान सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा व्यापक स्तर पर मरम्मत एवं संधारण कार्य कराए जा रहे हैं। उन्हीं कार्यों की प्रगति का जायजा लेने महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने मंगलवार 14 जुलाई को एमआईसी सदस्यों एवं नगर निगम अधिकारियों के साथ विभिन्न शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती सूरी ने शासकीय एनकेजे स्कूल, केरिन लाइन शासकीय स्कूल, साधुराम उच्चतर माध्यमिक शाला तथा के.सी.एस. कन्या शाला पहुंचकर मरम्मत कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालयों की छत, भवन, शौचालय एवं अन्य आवश्यक मरम्मत कार्यों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि वर्षा ऋतु में विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

महापौर श्रीमती सूरी ने विद्यालयों में उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई, विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं चल रहे मरम्मत कार्यों के संबंध में जानकारी ली।साथ ही विद्यार्थियों को मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने माता-पिता, विद्यालय और शहर का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है।

उन्होंने शिक्षकों से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत शाला परिसर में अधिक से अधिक पौधारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय हरियाली बढ़ाने का संकल्प लेकर पौधरोपण करे तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण की भी जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने विद्यार्थियों से भी पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होकर प्रकृति को सुरक्षित एवं समृद्ध बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

नगर निगम द्वारा वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में छत मरम्मत, बाथरूम मरम्मत, प्लास्टर, वॉटरप्रूफिंग एवं भवन सुधार कार्य कराए जा रहे हैं। इनमें रवीन्द्रनाथ टैगोर नवीन स्कूल भवन (फर्स्ट फ्लोर निर्माण), धंती बाई स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूल सिविल लाइन, अमकुही स्कूल, नदी पार स्कूल, आधारकाप स्कूल, कुठला स्कूल, मंगल नगर स्कूल, बिलगांव स्कूल, छापरवाह प्राथमिक शाला, सीएलपी स्कूल, बंधवा टोला स्कूल, बरगवां स्कूल, पड़रवारा स्कूल, केरिन लाइन स्कूल तथा एनकेजे स्कूल सहित अन्य विद्यालयों में आवश्यक मरम्मत एवं संधारण कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों का उद्देश्य वर्षा ऋतु में विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है।

कन्या महाविद्यालय में छात्राओं को दिलाई गई नशामुक्ति शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में "नशे से दूरी है जरूरी 2.0" जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत बुधवार को नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा। इस दौरान प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए अत्यंत हानिकारक है तथा यह युवाओं के भविष्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि नशे की लत से शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है, इसलिए युवाओं को सकारात्मक सोच अपनाकर स्वस्थ जीवनशैली की ओर अग्रसर होना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं एवं समस्त स्टाफ को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई, जिसमें सभी ने नशे से दूर रहने एवं दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संयोजन एनएसएस प्रभारी डॉ. शिल्पी कुमारी सिंह, डॉ. रश्मि सिंह, श्रीमती रिचा दुबे, डॉ. प्रतिमा सिंह तथा एनसीसी प्रभारी सुश्री मिथलेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

माँ नर्मदा की पावन धरती पर इतिहास, आस्था और अद्भुत शिल्पकला का अनूठा संगम

अमरकंटक के कालचुरी मंदिर 11 वीं शताब्दी की स्थापत्य कला का जीवंत वैभव

उमाशंकर पांडेय, मुन्नू

अमरकंटक। विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के संगम पर बसी पवित्र नगरी अमरकंटक केवल माँ नर्मदा के उद्गम स्थल के रूप में ही नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं स्थापत्य विरासत के अनमोल केंद्र के रूप में भी प्रसिद्ध है। यहाँ स्थित 11वीं शताब्दी के कालचुरीकालीन मंदिर समूह आज भी भारतीय मंदिर वास्तुकला, उत्कृष्ट शिल्पकला और आध्यात्मिक परंपरा की गौरवगाथा सुनाते हैं। करण मंदिर, पातालेश्वर मंदिर और मच्छेंद्रनाथ (शिव) मंदिर इस ऐतिहासिक धरोहर के प्रमुख आकर्षण हैं, जिन्हें देखने देश-विदेश से श्रद्धालु, पर्यटक और इतिहास प्रेमी अमरकंटक पहुँचते हैं। सदियों पहले कालचुरी शासकों द्वारा निर्मित इन मंदिरों की विशाल संरचना, पत्थरों पर उकेरी गई बारीक नक्काशी, भव्य शिखर, अलंकृत स्तंभ और संतुलित स्थापत्य योजना उस युग के शिल्पकारों की अद्भुत प्रतिभा का परिचय देती है। समय के अनेक उतार-चढ़ाव झेलने के बावजूद इन मंदिरों की भव्यता आज भी अक्षुण्ण बनी हुई है।

करण मंदिर कालचुरी स्थापत्य का सबसे भव्य स्मारक

मंदिर समूह का सबसे विशाल और आकर्षक करण मंदिर ऊँचे चबूतरे पर निर्मित है। गर्भगृह, अंतराल और विशाल मंडप से युक्त यह मंदिर कालचुरी स्थापत्य कला की उत्कृष्टता का सजीव उदाहरण है। मंदिर का ऊँचा शिखर दूर से ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करता है। बाहरी दीवारों पर उकेरी गई अलंकरण पट्टिकाएँ, लघु देवालय और कलात्मक मूर्तियाँ उस समय की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना को अभिव्यक्त करती हैं।

पातालेश्वर मंदिर पत्थरों में उकेरी गई अनुपम कलाकृति

पंचरथ योजना पर निर्मित पातालेश्वर मंदिर अपनी अद्भुत नक्काशी और संतुलित स्थापत्य के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। इसकी दीवारों पर उकेरी गई सूक्ष्म मूर्तियाँ और अलंकरण कालचुरी कलाकारों की कल्पनाशीलता और तकनीकी दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। वक्ररेखीय शिखर, स्तंभयुक्त मंडप, पिरामिडाकार छत, आमलक और शीर्ष पर स्थापित कलश मंदिर की भव्यता को और अधिक प्रभावशाली बनाते हैं।

मच्छेंद्रनाथ (शिव) मंदिर नागर शैली की अनुपम पहचान

भगवान शिव को समर्पित मच्छेंद्रनाथ मंदिर नागर शैली की वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। पश्चिमाभिमुख इस मंदिर का शंक्वाकार शिखर इसकी विशिष्ट पहचान है। गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर नृत्यमुद्रा में विराजमान भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमा तत्कालीन मूर्तिकला की उच्च कोटि की कला का परिचय देती है। यद्यपि समय के साथ मंडप का ऊपरी भाग आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो चुका है, फिर भी मंदिर अपनी भव्यता और ऐतिहासिक गरिमा को आज भी संजोए हुए है।

इतिहास, आस्था और पर्यटन का अद्वितीय केंद्र

अमरकंटक के ये प्राचीन मंदिर केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भारतीय इतिहास, संस्कृति और स्थापत्य विरासत के जीवंत साक्ष्य भी हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित यह मंदिर समूह देश की सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु, पर्यटक, शोधकर्ता और इतिहासकार यहाँ पहुँचकर कालचुरी स्थापत्य कला की भव्यता का अनुभव करते हैं। माँ नर्मदा की पावन भूमि पर खड़े ये मंदिर मानो पत्थरों में लिखी वह अमर गाथा हैं, जो भारतीय सभ्यता की समृद्ध परंपरा, शिल्प कौशल और आध्यात्मिक चेतना का संदेश आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाती रहेगी। अमरकंटक का यह मंदिर समूह न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक पहचान और गौरव का अमूल्य प्रतीक है।

7 माह से वेतन नहीं, विशेष भत्ता भी बंद

नगर पालिका कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन, हर माह 7 तारीख तक वेतन भुगतान की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नगर पालिका परिषद अनूपपुर के नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने लंबित वेतन, विशेष भत्ता बहाल करने और समय पर मानदेय भुगतान की मांग को लेकर शुक्रवार को मध्यप्रदेश नगरपालिका-निगम कर्मचारी महासंघ के बैनर तले अपर कलेक्टर बलवीर रमण को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि बार-बार मांग और आंदोलन के बावजूद नगर पालिका प्रशासन बजट की कमी का हवाला देकर केवल एक-दो माह का वेतन जारी करता है, जबकि शेष भुगतान का आश्वासन भी पूरा नहीं किया जाता। इससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि नियमित कर्मचारियों का जनवरी 2026 से वेतन लंबित है, जबकि दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को पिछले सात माह से मानदेय नहीं मिला है। वेतन के अभाव में परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई, इलाज और अन्य दैनिक जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों ने यह भी मांग उठाई कि नगर पालिका में 10 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को शासन के प्रावधानों के अनुसार मिलने वाला 1,600 रुपये प्रतिमाह विशेष भत्ता, जिसे अप्रैल 2026 से बंद कर दिया गया है, उसे तत्काल पुनः प्रारंभ किया जाए। इसके अलावा कर्मचारियों ने श्रम अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप प्रत्येक माह की 7 तारीख तक नियमित वेतन एवं मानदेय का अनिवार्य भुगतान सुनिश्चित कराने तथा सभी लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की। गौरतलब है कि इससे पहले भी नगरपालिका कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर सप्ताहभर की अनिश्चितकालीन हड़ताल कर चुके हैं। उस समय प्रशासन द्वारा जल्द भुगतान का आश्वासन देकर हड़ताल समाप्त कराई गई थी, लेकिन कर्मचारियों का कहना है कि अब तक उनकी प्रमुख मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अब उन्होंने जिला प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

विद्यालय प्रबंधन ने निभाई जिम्मेदारी, यातायात विभाग की चुप्पी बनी चिंता का विषय

यातायात कार्यालय से 100 मीटर दूर नाबालिग दौड़ा रहे बाइक, कार्रवाई पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

सड़क सुरक्षा को लेकर शासन-प्रशासन लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है, लेकिन जिला मुख्यालय में ही इन नियमों की खुलेआम अनदेखी होती दिखाई दे रही है। यातायात विभाग कार्यालय से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित अशासकीय भारत ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बाहर प्रतिदिन बड़ी संख्या में नाबालिग छात्र बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के बुलेट, मोटरसाइकिल और स्कूटर चलाकर विद्यालय पहुंच रहे हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ यातायात विभाग की नजरों के सामने होने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई सामने नहीं आई है। इस मामले में विद्यालय प्रबंधन ने अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया है। विद्यालय के प्राचार्य अलेक्जेंडर ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि केवल वही दोपहिया वाहन विद्यालय परिसर की पार्किंग में प्रवेश करेंगे, जिनके चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस होगा और जो यातायात नियमों का पालन करेंगे। बिना लाइसेंस वाहन चलाकर आने वाले विद्यार्थियों के वाहनों को विद्यालय परिसर के बाहर ही खड़ा कराया जाता है। विद्यालय की यह व्यवस्था अनुशासन और सड़क सुरक्षा के प्रति उसकी गंभीरता को दर्शाती है। इसके बावजूद विद्यालय के बाहर बड़ी संख्या में ऐसे वाहन खड़े दिखाई देते हैं, जिन्हें नाबालिग छात्र चला रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब विद्यालय प्रशासन अपनी सीमा में नियमों का पालन कराने का प्रयास कर रहा है, तब कानून लागू कराने की जिम्मेदारी निभाने वाला यातायात विभाग आखिर मौन क्यों है?

विभागीय कार्यालय इतनी निकट होने के बावजूद न तो नियमित जांच अभियान चलाए जा रहे हैं, न चालानी कार्रवाई हो रही है और न ही मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहन स्वामियों या अभिभावकों के विरुद्ध कोई प्रभावी कदम उठाया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क सुरक्षा केवल जागरूकता अभियान चलाने या चालान काटने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि नाबालिग खुलेआम वाहन चला रहे हैं तो समय रहते सख्त कार्रवाई आवश्यक है, क्योंकि किसी भी क्षण एक छोटी-सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना कानून का गंभीर उल्लंघन है। इससे न केवल वाहन चलाने वाले छात्र का जीवन खतरे में पड़ता है, बल्कि अन्य राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है। इसलिए ऐसे मामलों में केवल बच्चों को ही नहीं, बल्कि वाहन उपलब्ध कराने वाले अभिभावकों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई और व्यापक जनजागरूकता जरूरी है। अब जनसामान्य की अपेक्षा है कि यातायात विभाग इस मामले का तत्काल संज्ञान लेकर विद्यालय के बाहर नियमित जांच अभियान चलाए, बिना लाइसेंस वाहन चला रहे विद्यार्थियों एवं संबंधित वाहन स्वामियों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करे और अभिभावकों को भी जागरूक बनाए। क्योंकि सड़क सुरक्षा के नियम तभी सार्थक होंगे, जब उनका पालन धरातल पर भी समान रूप से सुनिश्चित किया जाएगा।

25 जुलाई तक पूरे करें शिक्षा विभाग के लंबित कार्य, डीईओ ने दिए सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला शिक्षा अधिकारी टी.आर. आर्मो ने शुक्रवार को कोतमा में आयोजित अनूपपुर एवं कोतमा विकासखंड के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुखों की संयुक्त समीक्षा बैठक में शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं ऑनलाइन पोर्टलों पर लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विद्यार्थियों के नामांकन, एजुकेशन पोर्टल 3.0, एमपी टास्क पोर्टल, विमर्श पोर्टल, अपार आईडी, ओटीआर पंजीयन, निःशुल्क साइकिल वितरण सहित शासन की प्राथमिकता वाले अन्य कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रत्येक बिंदु की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। डीईओ टी.आर. आर्मो ने स्पष्ट कहा कि 25 जुलाई तक सभी लंबित कार्य हर हाल में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने संस्था प्रमुखों को चेतावनी देते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, शिथिलता अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी विद्यालय समय-सीमा का पालन करते हुए पोर्टलों पर शत-प्रतिशत जानकारी अद्यतन करें तथा निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा करें। बैठक में शिक्षा विभाग के अधिकारी, जनशिक्षक तथा अनूपपुर एवं कोतमा विकासखंड के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुख उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

नगर परिषद बनगवां में अमृत हरित महाअभियान के तहत 900 पौधों का रोपण

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में शुक्रवार को अमृत हरित महाअभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-4 स्थित हेलीपैड ग्राउंड के समीप वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका के निर्देश पर संपन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह ने की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, नगरवासियों एवं नगर परिषद के अधिकारियों-कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए ष्एक पेड़, अनेक जीवनष् का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्ष न केवल शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि वर्षा जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता को सुरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नगर परिषद को केंद्र शासन की ओर से 12 हजार तथा राज्य शासन की ओर से 1 हजार पौधों के रोपण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसी क्रम में शुक्रवार को आयोजित अभियान के लिए आंवला, पपीता, करौंदा, मुनगा, मीठी नीम, आम, जामुन और सिंदूर सहित विभिन्न प्रजातियों के 1,000 पौधे उपलब्ध कराए गए, जिनमें से 900 पौधों का रोपण किया गया। नगर परिषद क्षेत्र में अब तक 2,800 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। कार्यक्रम में यह संदेश भी दिया गया कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और नियमित देखभाल भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। अमृत हरित महाअभियान के माध्यम से नगर परिषद क्षेत्र को अधिक हरित, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस अवसर पर धर्मेंद्र सिंह (अध्यक्ष, पिछड़ा मोर्चा), कमलेश चतुर्वेदी (मंडल अध्यक्ष), वरिष्ठ भाजपा नेता देवनाथ त्रिपाठी, पार्षद समय पटेल, राजकुमार सिंह, भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी पंकज कुमार शर्मा, भीम जायसवाल, संजय वर्मा, सच्चिदानंद सिंह, नगर परिषद के लेखापाल राजेश मिश्रा, परिषद के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, वार्डवासी, गणमान्य नागरिक एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

बारिश में बढ़ा मच्छर और जलजनित बीमारियों का खतरा, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और डायरिया से बचाव के लिए नागरिकों से सतर्कता बरतने की अपील

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। वर्षाकाल में बढ़ती नमी, अनुकूल तापमान और विभिन्न स्थानों पर जलभराव के कारण मच्छरों एवं बैक्टीरिया का प्रकोप तेजी से बढ़ जाता है। ऐसे मौसम में थोड़ी-सी लापरवाही मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, टाइफाइड, डायरिया तथा अन्य मच्छर एवं जलजनित बीमारियों का कारण बन सकती है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने और घर-आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर साफ और ठहरे हुए पानी में पनपता है। इसलिए घरों, खेतों, गड्ढों, पुराने टायरों, कूलरों, गमलों, फ्रिज की ट्रे, पशुओं के नाद तथा अन्य स्थानों पर पानी जमा न होने दें। कूलर, फूलदान और पानी रखने वाले बर्तनों का पानी सप्ताह में कम से कम एक बार अवश्य बदलें। जहां पानी हटाना संभव न हो, वहां मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए खाद्य तेल, केरोसिन या जला हुआ ऑयल डालने की सलाह दी गई है। मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें तथा आवश्यकता पड़ने पर कीटनाशकों का छिड़काव कराएं। बारिश के मौसम में दूषित पानी और अस्वच्छ भोजन के कारण पीलिया, टाइफाइड, डायरिया, पेचिश और हैजा जैसी जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। विभाग ने नागरिकों से हमेशा उबला या शुद्ध पानी पीने, भोजन को ढककर रखने, सड़े-गले फल एवं खाद्य पदार्थों का सेवन न करने तथा फल और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही भोजन करने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोने तथा खुले में शौच के बजाय शौचालय का उपयोग करने की अपील की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी व्यक्ति को तेज बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, मांसपेशियों या जोड़ों में दर्द, शरीर पर लाल चकत्ते, उल्टी या दस्त जैसे लक्षण दिखाई दें तो स्वयं दवा लेने के बजाय तत्काल निकटतम शासकीय स्वास्थ्य केंद्र या चिकित्सक से संपर्क करें। समय पर जांच और उचित उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे बारिश के पूरे मौसम में स्वच्छता और सावधानी को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, ताकि मच्छरजनित एवं जलजनित रोगों के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

नियम विरुद्ध स्थानांतरण पर हाईकोर्ट की रोक, अनूपपुर के तीन कर्मचारियों को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग में कथित रूप से मध्यप्रदेश स्थानांतरण नीति के विपरीत जारी किए गए स्थानांतरण आदेशों के मामले में कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर ने तीन कर्मचारियों के स्थानांतरण आदेशों पर अंतरिम स्थगन (स्टे) प्रदान किया है। जानकारी के अनुसार, जिले में जारी स्थानांतरण आदेशों को लेकर कर्मचारियों द्वारा यह आरोप लगाया गया था कि स्थानांतरण नीति के प्रावधानों का पालन नहीं किया गया। साथ ही, कर्मचारियों पर शीघ्र कार्यमुक्त होने का दबाव बनाया जा रहा था। विभाग के समक्ष आवेदन और आपत्तियां प्रस्तुत किए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित कर्मचारियों ने न्यायालय की शरण ली। उच्च न्यायालय में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद संजय शुक्ला (सहायक शिक्षक, केकरपानी), सुधीर कुमार निगम (सहायक शिक्षक) तथा जहीरूद्दीन बेगम के स्थानांतरण आदेशों पर अंतरिम स्थगन आदेश जारी किया गया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि विभागीय स्तर पर उनकी आपत्तियों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया, जिसके कारण उन्हें न्याय पाने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता दीपक कुमार पांडे ने पक्ष रखा। अब इस मामले में न्यायालय के आगामी आदेशों पर संबंधित कर्मचारियों के साथ-साथ अन्य प्रभावित कर्मचारियों की भी नजर बनी हुई है। यह मामला जिले में स्थानांतरण प्रक्रिया की पारदर्शिता और स्थानांतरण नीति के पालन को लेकर भी चर्चा का विषय बन गया है।

झमाझम बारिश से खिले किसानों के चेहरे, गर्मी-उमस से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज कोतमा। शुक्रवार को कोतमा, बिजुरी सहित आसपास के ग्रामीण और कोयलांचल क्षेत्रों में हुई झमाझम बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत दिलाई, वहीं किसानों के चेहरों पर भी मुस्कान लौटा दी। करीब तीन सप्ताह बाद मानसून के मेहरबान होने से पूरे क्षेत्र में मौसम सुहावना हो गया। दोपहर बाद शुरू हुई तेज बारिश कई घंटों तक जारी रही, जिससे तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे लोगों ने खुले मौसम का आनंद लिया, जबकि कई स्थानों पर सड़कों पर जलभराव की स्थिति भी बन गई। ग्रामीण क्षेत्रों में हुई अच्छी बारिश को किसानों ने खरीफ सीजन के लिए शुभ संकेत माना है। खेतों में पर्याप्त नमी पहुंचने से अब धान की रोपाई और अन्य खरीफ फसलों की बुवाई में तेजी आने की उम्मीद है। किसानों का कहना है कि समय पर हुई इस वर्षा से फसलों की बेहतर पैदावार की संभावना बढ़ गई है और सिंचाई की चिंता भी काफी हद तक कम होगी। कोतमा, बिजुरी और पूरे अनुपपुर अंचल में मौसम के इस बदलाव से किसानों में नई उम्मीद जगी है। लंबे इंतजार के बाद हुई बारिश को कृषि के लिए संजीवनी माना जा रहा है। बारिश से जहां खेतों में रौनक लौट आई है, वहीं आम लोगों ने भी गर्मी और उमस से राहत की सांस ली।

वक्फ संपत्ति विवाद में अंजुमन इस्लामिया को हाईकोर्ट से राहत, सिविल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नगर की वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवाद में अंजुमन इस्लामिया कमेटी को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर से अंतरिम राहत मिली है। हाईकोर्ट ने अनूपपुर जिला न्यायालय में लंबित सिविल वाद की कार्यवाही पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। मामले की सुनवाई अब आगामी तिथि पर उच्च न्यायालय में होगी। अंजुमन इस्लामिया कमेटी की ओर से अधिवक्ता दीपक कुमार पांडे ने बताया कि नगर में अंजुमन इस्लामिया कमेटी के नाम दर्ज भूमि एवं संपत्तियां मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अधीन हैं। उनके अनुसार वक्फ अधिनियम की धारा 85 के तहत वक्फ संपत्तियों के स्वामित्व, अतिक्रमण, बेदखली एवं कब्जे से जुड़े विवादों की सुनवाई सामान्य दीवानी न्यायालय में नहीं, बल्कि विशेष वक्फ ट्रिब्यूनल में की जाती है। उन्होंने बताया कि अंजुमन की एक संपत्ति में किरायेदार के रूप में रह रहे पक्ष द्वारा जिला न्यायालय, अनूपपुर में वाद दायर किया गया था। इस पर अंजुमन की ओर से अधिवक्ता दीपक कुमार पांडे एवं बासुदेव चटर्जी ने न्यायालय के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत करते हुए कहा था कि यह मामला सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। इसके बावजूद जिला न्यायालय द्वारा वादी पक्ष को अंतरिम राहत प्रदान की गई। इस आदेश के विरुद्ध अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर में याचिका दायर की। प्रारंभिक सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने जिला न्यायालय में चल रही कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। अधिवक्ता दीपक कुमार पांडे का कहना है कि वक्फ अधिनियम के तहत प्रत्येक राज्य में गठित विशेष वक्फ ट्रिब्यूनल ही वक्फ संपत्तियों से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए सक्षम मंच है। फिलहाल मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय में लंबित है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं तहसीन अहमद आयु 47 वर्ष पिता तौकीर अहमद, निवासी वार्ड क्र. 11, कैम्प नं. 03, भालूमाड़ा, कोतमा कॉलरी, थाना भालूमाड़ा, तहसील अनूपपुर, जिला - अनूपपुर (म.प्र.) का निवासी हूँ। यह कि मेरे आधार कार्ड क्र. - 9067-7862-4697, पैन कार्ड क्र.- AMHPA4670P में मेरा नाम TAHSEEN AHMAD पिता TAUKEER AHMAD दर्ज है, जो मेरा पासपोर्ट दिनांक 28/10/1997 को पासपोर्ट कार्यालय भोपाल से जारी हुआ है, जिसका पासपोर्ट संख्या A-2429704 है, जिसमें मेरे नाम की स्पेलिंग TAHASEEN AHEMAD दर्ज हो गई है, जो त्रुटिपूर्ण है। मैं अपने पासपोर्ट में दर्ज त्रुटिपूर्ण नाम TAHASEEN AHEMAD को विलोपित कराकर अपने आधार कार्ड एवं पैनकार्ड अनुसार अपने नाम की सही स्पेलिंग TAHSEEN AHMAD दर्ज कराना चाहता हूँ। यह कि उक्त नाम के स्पेलिंग सुधार का मुख्य कारण यह है कि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड में दर्ज नाम की स्पेलिंग एवं जारी पासपोर्ट में दर्ज नाम की स्पेलिंग में भिन्नता है, जिससे मेरे को अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान की एकरूपता संबंधी एवं अन्य कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिस कारण मैं अपने पासपोर्ट में दर्ज नाम के त्रुटिपूर्ण स्पेलिंग को आधार कार्ड एवं पैन कार्ड अनुसार संशोधित कराना चाहता हूँ। मेरे नाम की सही स्पेलिंग TAHSEEN AHMAD पिता TAUKEER AHMAD है, जो कि मेरे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में दर्ज है।